बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग
उत्तर प्रदेश

शाला पूर्व शिक्षा बाल मूल्यांकन कार्ड — 03–04 वर्ष आयु वर्ग

जनपद का नामः	बच्चे की पंजीकरण के समय का पासपोर्ट साइज फोटो
परियोजना का नामः	
आंगनबाड़ी केंद्र का नाम एवं कोडः	
आंगनबाड़ी कार्यकर्ती का नामः	
बच्चे का नामः	
बच्चे की जन्म तिथिः	लिंग*: लड़की ☐ लड़का ☐
आधार कार्ड संख्याः	राशन कार्ड संख्याः
माता का नामः	पिता का नामः
बच्चे का पताः	बच्चे का केंद्र पर पंजीकरण की तिथिः

*कृपया उचित स्थान पर चिन्ह (✓) दें

अभिभावकों के लिएः

1. आंगनबाड़ी केंद्र में मूल्यांकन कोई परीक्षा नही है।
2. यह मूल्यांकन आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा वर्ष में दो बार किया जाएगा।
3. यह मूल्यांकन आपके बच्चे के नियमित विकास के लिए ज़रूरतों को पहचानने में मदद करेगा।
4. इस मूल्यांकन से आपको यह जानकारी मिलेगी किः–
   - आपके बच्चे अपने आयु के अनुसार विकास के किस स्तर पर हैं।
   - वह किन गतिविधियों को स्वयं करने सक्षम हैं।
   - उसे कहाँ पर और सहायता की ज़रूरत हैं।
5. इस मूल्यांकन के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा आपको यह अवगत कराया जाएगा कि आपके बच्चे के नियमित विकास के लिए आपके द्वारा घर पर किस प्रकार का सहयोग आवश्यक हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ती के हस्ताक्षर
(तिथि के साथ)

अभिभावक के हस्ताक्षर
(तिथि के साथ)

विकास के क्षेत्र	मूल्यांकन का माह	पहला मूल्यांकन			दूसरा मूल्यांकन		
	संकेतक	स्वयं करते हैं	मदद चाहिए	नहीं कर पाते हैं	स्वयं करते हैं	मदद चाहिए	नहीं कर पाते हैं
शारीरिक विकास	बाहर या अंदर खेले जाने वाले खेल में सक्रियता से भाग लेना						
	बड़ी गेंद को दोनों हाथों से फेंक पाना						
	एक स्थान पर दोनो पैरो से कूद पाना						
	मोती की माला बना पाना						
	क्रेयोन से बड़ी जगह के अंदर रंग कर पाना						
बौद्धिक विकास	विभिन्न गंध, स्वाद, ध्वनि और आकृतियों को पहचान पाना						
	3 रंगों की पहचान कर पाना – लाल, पीला एवं नीला						
	वस्तुओं को किसी एक अवधारणा वर्गीकरण कर पाना – जैसे रंगो के आधार पर, आकार के आधार पर इत्यादि						
	एक साधारण बनावट या 03 टुकड़ों वाले पज़ल का चित्र पूरा कर पाना						
	विभिन्न आकारों के दिए गए पैटर्न को दोहरा पाना						
भाषा विकास	सरल निर्देशों का पालन कर पाना						
	इशारों, शब्दों और सरल व्याक्यों में अपनी भावनाओं को व्यक्त कर पाना						
	कहानी की किताब को देखने और चित्र पढ़ने में आनंद लेना						
	एक पूर्ण वाक्य में चित्र का वर्णन कर पाना						
	अपने (लिखित) नाम को पहचान पाना						
सामाजिक एवं भावनात्मक विकास	समूह में अन्य बच्चो को साथ खेलना पसंद करना						
	परिचित व्यक्तियों के साथ आराम से बातचीत कर पाना						
	दोस्तों के साथ साझा कर पाना						
	खेलते समय अपनी बारी के लिए इंतजार कर पाना						
	खुशी, उदासी और क्रोध जैसे सरल भावनाओं को पहचान पाना और व्यक्त कर पाना						
रचनात्मक विकास	नई चीजें को सीखने की जिज्ञासा और उत्सुकता दिखाना						
	नृत्य नाटक में शामिल होने का आनंद लेना						
	दैनिक गतिविधियों में रचनात्मकता दिखाना – (जैसे नए और अलग– अलग तरीकों से वास्तु या शब्दों का प्रयोग करना)						
	नाटक और संगीत में भाग लेना						
	चित्रकारी, चित्रकला और समस्याओं को समाधान करने में कल्पना का उपयोग करना						